**C.B.S.E**

**विषय : हिन्दी 'ब'**

**कक्षा : 9**

**निर्धारित समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक : 80**

---

**सामान्य निर्देश:**

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

## खंड - क

## [अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।[10]

गीता जीने की कला सीखाती है मेरा हृदय फटता है। जब मैं देखता हूँ कि हमारा समाज आज हमारी संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों की अवहेलना करता हैं। आप चाहे जहाँ जाएँ, परंतु संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों को हमेशा याद रखे। संसार के सारे सुख क्षण भंगुर एवं अस्थायी होते हैं। वास्तविक सुख हमारी आत्मा में ही है। चरित्र नष्ट होने से मनुष्य का सब-कुछ नष्ट हो जाता है। संसार के राज्य पर विजयी होने पर भी आत्मा की हार सबसे बड़ी है। यही है हमारी संस्कृति का सार, जो अभ्यास द्वारा सुगम बनाकर कार्यरूप में परिणत किया जा सकता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

1. लेखक का हृदय कब फटता है?

2. लेखक हमसे किस बात का हमेशा ध्यान रखने के लिए कहता है?

3. मनुष्य का सब-कुछ कब नष्ट हो जाता है?

4. सच्चे सुख के बारे में लेखक ने क्या कहा है?

5. लेखक के अनुसार संस्कृति का सार क्या है?

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

## खंड - ख

### [व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- ढक्कन
- दंडित
- ऐतिहासिक

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए।[3]

- सास
- नदियां

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- जिंदगी
- राज

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- कन्स
- गन्ध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- मजहबी
- दैनिक

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उचित उपसर्ग पहचानिए:

दुर्लभ

संचालन

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए।

- चलाऊ
- छटपटाहट

प्र. 5. क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. काश मैं उसे मिल पाता
2. बच्चों योगाभ्यास से जीवन नियमित बनता है
3. तो मैं क्या करूँ

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- उल्लेख
- सदैव
- महेंद्र
- घनानंद

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## खंड - ग

### [पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:[2+2+2=6]

1. पंक' और 'पंकज' शब्द में क्या अंतर है?
2. पति-पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया?
3. पाठ में 'चलता-फिरता पुर्जा' से क्या तात्पर्य है?
4. कैंप-चार कहाँ और कब लगाया गया?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?
2. अथवा पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?
2. 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?
3. नए इलाके में कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?
4. एक को साधने से सब कैसे सध जाता है?

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है?
2. कवि ने सोने और सुहागे की बात किस संदर्भ में कही है और क्यों?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है?
2. 'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी–कभी कितनी मिथ्या और उलटी निकलती हैं'- का आशय स्पष्ट कीजिए।

## खंड - घ

## [लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [5]

- बेरोज़गारी
- सत्संगति
- ऋतुओं के बदलते रूप

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. छोटी बहन नक़ल करते पकड़ी गई है, उसका दुष्परिणाम बताते हुए उसे पत्र लिखें।
2. किसी दैनिक समाचार-यत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 12. दिए गए चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

अथवा

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।
2. दो मित्रों के बीच विज्ञान प्रदर्शनी पर संवाद लिखें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 14. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।[5]

1. मोबाइल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।
2. चटक मसाला के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**C.B.S.E**

**विषय : हिन्दी 'ब'**

**कक्षा : 9**

**निर्धारित समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक : 80**

**सामान्य निर्देश:**

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

## खंड - क

## [अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।[10]

गीता जीने की कला सीखाती है मेरा हृदय फटता है। जब मैं देखता हूँ कि हमारा समाज आज हमारी संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों की अवहेलना करता हैं। आप चाहे जहाँ जाएँ, परंतु संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों को हमेशा याद रखे। संसार के सारे सुख क्षण भंगुर एवं अस्थायी होते हैं। वास्तविक सुख हमारी आत्मा में ही है। चरित्र नष्ट होने से मनुष्य का सब-कुछ नष्ट हो जाता है। संसार के राज्य पर विजयी होने पर भी आत्मा की हार सबसे बड़ी है। यही है हमारी संस्कृति का सार, जो अभ्यास द्वारा सुगम बनाकर कार्यरूप में परिणत किया जा सकता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

1. लेखक का हृदय कब फटता है?

उत्तर : समाज जब संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों की अवहेलना करता हैं, तब लेखक हृदय फटता है।

2. लेखक हमसे किस बात का हमेशा ध्यान रखने के लिए कहता है?

उत्तर : आप चाहे जहाँ जाएँ, परंतु संस्कृति के मौलिक सिद्धांतों को हमेशा याद रखे। लेखक हमसे इस बात का हमेशा ध्यान रखने के लिए कहता है।

3. मनुष्य का सब-कुछ कब नष्ट हो जाता है?

उत्तर : चरित्र नष्ट होने से मनुष्य का सब-कुछ नष्ट हो जाता है।

4. सच्चे सुख के बारे में लेखक ने क्या कहा है?

उत्तर : सच्चे सुख के बारे लेखक का मानना है कि सच्चा सुख अपनी आत्मा में ही होता है।

5. लेखक के अनुसार संस्कृति का सार क्या है?

उत्तर : संसार के राज्य पर विजयी होने पर भी आत्मा की हार सबसे बड़ी है। यही है हमारी संस्कृति का सार, जो अभ्यास द्वारा सुगम बनाकर कार्यरूप में परिणत किया जा सकता है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'गीता जीने की कला' है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## खंड - ख

### [व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- ढक्कन - ढ् + अ + क् + क् + अ + न् + अ
- दंडित - द् + अं + ड् + इ + त् + अ
- ऐतिहासिक - ऐ + त् + इ + ह् + आ + स् + इ + क् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए।[3]

- सास - साँस
- नदियां - नदियाँ

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- जिंदगी - ज़िंदगी
- राज - राज़

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- कन्स - कंस
- गन्ध - गंध

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- मजहबी - ई
- दैनिक - इक

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उचित उपसर्ग पहचानिए:

दुर्लभ - दूर

संचालन - सम्

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए।

- चलाऊ - चल + आऊ
- छटपटाहट - छटपट + आहट

प्र. 5. क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. काश मैं उसे मिल पाता

   उत्तर : काश! मैं उसे मिल पाता।

2. बच्चों योगाभ्यास से जीवन नियमित बनता है

   उत्तर : "बच्चों, योगाभ्यास से जीवन नियमित बनता है।"

3. तो मैं क्या करूँ

   उत्तर : 'तो मैं क्या करूँ?'

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- उल्लेख - उत + लेख
- सदैव - सदा + एव
- महेंद्र - महा + इंद्र
- घनानंद - घन + आनंद

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## खंड - ग

### [पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:[2+2+2=6]

1. पंक' और 'पंकज' शब्द में क्या अंतर है?

उत्तर : 'पंक' का अर्थ है कीचड़ और पंक्+अज अर्थात् कीचड़ में उत्पन्न अर्थात कमल। पंक से सब घृणा करते हैं। पंकज को सिर माथे पर लगाया जाता है।

2. पति-पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया?

उत्तर : पति ने स्नेह से भीगी मुस्कान के साथ गले मिलकर और पत्नी ने आदर से नमस्ते करके उनका स्वागत किया।

3. पाठ में 'चलता-फिरता पुर्जा' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : चलता-फिरता पुर्जा से तात्पर्य उन लोगों से है जो मूर्ख व्यक्तियों की शक्तियों और उत्साह का दुरूपयोग कर अपना स्वार्थ साधते हैं।

4. कैंप-चार कहाँ और कब लगाया गया?

उत्तर : कैंप-चार २९ अप्रैल को सात हजार नौ सौ मीटर की ऊँचाई पर लगाया गया था।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

उत्तर : बर्फ़ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरने को हिमपात कहा जाता है। ग्लेशियर के बहने से अक्सर बर्फ़ में हलचल

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मच जाती है। इससे बर्फ़ की बड़ी-बड़ी च़ट्टाने तत्काल गिर जाया करती हैं। अन्य कारणों से भी अचानक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे धरातल पर बड़ी चौड़ी दरारें पड़ जाती हैं। अधिक हिमपात के कारण तापमान में भारी गिरावट आती है। रास्ते बंद हो जाते हैं।

अथवा

2. अथवा पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?

उत्तर : जब हमारे सामने कभी ऐसी परिस्थिति आती है कि हमें किसी दुखी व्यक्ति के साथ सहानुभूति प्रकट करनी होती है, परन्तु उसे छोटा समझकर उससे बात करने में संकोच करते हैं। उसके साथ सहानुभूति तक प्रकट नहीं कर पाते हैं। हमारी पोशाक उसके समीप जाने में तब बंधन और अड़चन बन जाती है।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?

उत्तर : सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर : 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि यही कहना चाहता है कि मनुष्य को अपनी लक्ष्य प्राप्ति के लिए किसी भी प्रकार की अनपेक्षित चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। उसे इस मार्ग में बिना किसी सहारे, सुखों की अभिलाषा और हर परिस्थिति का सामना करते हुए अपने लक्ष्य पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

3. नए इलाके में कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर : नए इलाके में कविता में निम्नलिखित पुराने निशानों का उल्लेख है - पीपल का पेड़, ढहा हुआ घर, ज़मीन का खाली टुकड़ा, बिना रंग वाले लोहे के फाटक वाला मकान आदि।

4. एक को साधने से सब कैसे सध जाता है?

उत्तर : कवि रहीम के अनुसार एक ही ईश्वर पर अटूट विश्वास रखने से सारे कार्य सिद्ध हो जाते हैं। जिस प्रकार जड़ को सींचने से हमें फल और फूलों की प्राप्ति हो जाती है उसी प्रकार एक ही ईश्वर को स्मरण करने से हमें सारे सुख प्राप्त हो जाते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है?

उत्तर : 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर हमारे मन में मनुष्य के प्रति धारणा बनती है कि प्रत्येक मनुष्य स्वभाव से अलग होता है। कोई अति साधन-संपन्न है तो अत्यंत गरीब। मनुष्य अपने व्यवहार से अच्छा-बुरा बनता है। यहाँ पर कुछ लोग निहायती शरीफ़ होते हैं तो कुछ लोग हद दर्जे के कमीने होते हैं।

अथवा

2. कवि ने सोने और सुहागे की बात किस संदर्भ में कही है और क्यों?

उत्तर : कवि ने सोने और सुहागे की बात उनके बीच में होने वाले घनिष्ठ संबंध के संदर्भ में कही है। सुहागे का अपना अलग से कोई अस्तित्व नहीं होता है। सुहागा जब सोने के साथ मिल जाता है तो उसमें चमक उत्पन्न कर देता है और इस कारण उसका महत्त्व बढ़ जाता है। उसकी प्रकार कवि कहते हैं कि प्रभु के बिना उसका कोई अस्तित्व नहीं है किंतु ईश्वर भक्ति से उसकी आत्मा परमात्मा से जा मिलती है जिससे उस जैसे जीव का जीवन सफल हो उठता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है?

   उत्तर : तक्षशिला में धर्म के नाम पर धार्मिक झगड़ें जन्म लेते रहते थे। जब लेखक इन झगड़ें की खबर पढ़ रहे थे तब लेखक को हामिद खाँ का ध्यान आया जहाँ लेखक ने खाना बड़े अपनेपन से खाया था। उसने सोचा भगवान करे हामिद खाँ सुरक्षित हो। इसके लिए लेखक ने प्रार्थना भी की। इससे लेखक के धार्मिक एकता की भावना का पता लगता है। उसमें हिंदू-मुसलमान में कोई फर्क नहीं। वह एक अच्छा इंसान है।

2. 'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी–कभी कितनी मिथ्या और उलटी निकलती हैं'- का आशय स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : इस कथन का आशय है कि मनुष्य हर स्थिति से निपटने के लिए तरह-तरह के अनुमान लगता है और भावी योजनाएँ बनाता है। परंतु उसकी सारी योजनाएँ सफल नहीं होती। उसे कभी सफलता मिलती है तो कभी विफलता। इससे कई बार मनुष्य निराश हो जाता है।

   इस पाठ के लेखक ने कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने के तरह-तरह के अनुमान लगाए, योजनाएँ बनायीं और उसमे फेर-बदल भी करना पड़ा,अंततः उसे सफलता मिली।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## खंड - घ

## [लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [5]

बेरोज़गारी

देश में बेरोज़गारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है। यह समस्या नवयुवकों के लिए निराशा का विषय बनी हुई है। हमारी अधिकांश जनसंख्या बेरोजगारी के कारण भूखे पेट सोने और शिक्षा विहिन रहने के लिए विवश है। उसके पास किसी प्रकार की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है। जनसंख्या जितनी तेजी से विकास कर रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तेज गति से गिरते जा रहे है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह संभव नहीं है कि वह इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिलवा सके। भारत में बढ़ती बेरोजगारी को बड़े पैमाने पर व्याप्त अशिक्षा और भ्रष्टाचार समान रूप से बल प्रदान कर रहे हैं। औद्योगीकरण ने भी बेरोज़गारी के स्तर को हमारे देश में बढ़ाया है। बेरोज़गारी के कारण देश में आपराधिक वारदातों से संबंधित आंकड़ा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। सरकार द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

सत्संगति

सत्संगति अर्थात अच्छों आचरण वाले लोगों की संगति। मनुष्य की संगति ही उसके व्यक्तित्व निर्माण को प्रभावित करती है। इसी लिए प्राचीन समय से धर्मग्रंथ तथा संत लोग मनुष्य को सत्संगति के लिए प्रेरित करते आए हैं।

कबीर तन पंछी भया, जहां मन तहां उडी जाइ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जो जैसी संगती कर, सो तैसा ही फल पाइ।।

यह सच है कि मनुष्य जिन लोगों के साथ उठता बैठता है उनके स्वभाव और गुणों का उन पर प्रभाव पड़ता है। संत के साथ रहकर मानव कल्याण की बात और चोर के साथ रहकर चोरी जैसे अवगुण की बात सीखने मिलती है। अच्छी संगति हमारे अंदर के संत को और बुरी संगति हमारे अंदर के दानव को जागृत करती है। सत्संगति मनुष्य एवं समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सत्संगति मनुष्य को समाज में आदर पात्र बनाती है। सत्संगति मनुष्य के व्यक्तित्व और जीवन को सुंदर तथा प्रगतिशील बना देती है। दुर्जन का साथ पग-पग पर हानि पहुँचाता है।

## ऋतुओं के बदलते रूप

भारत में प्रत्येक ऋतू दो-दो महीने रहती है। चैत और वैशाख में वसंत, ज्येष्ठ और आषाढ़ में ग्रीष्म, श्रावण और भाद्रपद में वर्षा, अश्विन और कार्तिक में शरद, मार्गशीर्ष और पौष में हेमंत, माघ और फाल्गुन में शिशिर (पतझड़) भारत में प्राय: सभी स्थानों पर ये ऋतुएँ अपना रूप एक बार अवश्य दिखलाती है।

वर्षाऋतू को वैसे तो जीवनदायनी माना जाता है परन्तु कभी–कभी यही जीवनदायनी प्राण घातक भी हो जाती है कभी बाढ़ आने के कारण जन धन सभी का नुकसान होता है। उसी प्रकार सर्दी और गर्मी का मौसम में भी होता है पर जब ठंड या गर्मी अधिक बढ़ जाती है तो लोगों के पास इससे बचने का उपाय न होने के कारण कई लोग मौत के मुँह में भी समा जाते हैं। मौसम में इस परिवर्तन का ज़िम्मेदार स्वयं मनुष्य ही है जो अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए प्रकृति का जिस प्रकार से हनन कर रहा है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उसका परिणाम ही मौसम में इस प्रकार के अनचाहे बदलाव हमें देखने के लिए मिल रहे हैं।

आज पहले की अपेक्षा हमें बाढ़, सूखा, अकाल, अतिवृष्टि बर्फबारी आदि प्राकृतिक घटनाएँ आए दिन देखने को मिलती है। इस सब का प्रमुख कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन है जिसके परिणामस्वरूप इस तरह की घटनाएँ आज आम हो गयी है। अतः मनुष्य समय रहते न चेता तो वह दिन दूर नहीं जब पूरी मानवता को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. छोटी बहन नक़ल करते पकड़ी गई है, उसका दुष्परिणाम बताते हुए उसे पत्र लिखें।

सेंट थॉमस छात्रावास

कमरा 234,

पुणे।

दिनाँक - 25 सितम्बर 2013

प्रिय दीक्षा,

स्नेहाशीष।

कल ही पिताजी का पत्र मिला पढ़कर तो जैसे मेरे ऊपर तुषारापात ही हो गया कि तुम परीक्षा में नक़ल करते पकड़ी गई हो। मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा है कि हमारी दीक्षा भी ऐसा काम कर सकती है। बहन यह ऐसा दाग है जो मिटाए नहीं मिटता, परंतु अब जो हो गया सो हो गया पिछली बातों को भूल कर नहीं शुरुआत करो तथा मन भटकाने वाले मित्रों से दूर रहो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आशा करता हूँ कि तुम इस गलती से सबक लेकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करोगी। अपना ख्याल रखना।

तुम्हारा अग्रज,

मोहित

2. किसी दैनिक समाचार-यत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करो।

सेवा में,

सम्पादक

नवभारत टाइम्स,

मुंबई।

विषय : बिजली संकट से उत्पन्न दयनीय परिस्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु पत्र।

महोदय,

यह तो सर्वविदित ही है कि आपका लोकप्रिय समाचार-पत्र जनता की बुलंद आवाज है। मैं भी पाठकों का एवं बिजली संबंधित उच्च अधिकारियों का ध्यान बिजली संकट से उत्पन्न विकट स्थिति की ओर दिलाना चाहता हूँ। आज बिजली के बिना तो हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते।

आए दिन बिजली का गुल हो जाना हमारे लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन रहा है । गर्मियों के दिनों में विद्युत-आपूर्ति से सभी का हाल-बेहाल हो जाता है। न पंखे चल पाते हैं, न फ्रिज, लगता है जैसे जिन्दगी थम सी गई है। परीक्षा के समय में बिजली का गुल हो जाना विद्यार्थियों के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भविष्य पर असर करता है क्योंकि बिजली की आँख-मिचौलीं से सभी की पढ़ाई में बाधा पड़ती है।

अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि आप इस प्रकार के लेखों को प्रकाशित कर जनता तथा अधिकारीगण दोनों को जागरुक करें।

सधन्यवाद।

भवदीय

राजाराम मौर्य

भिवंडी।

दिनाँक: 20/3/20xx

प्र. 12. दिए गए चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

उपर्युक्त चित्र में हमें दादाजी अपने पोतों के साथ नजर आ रहे हैं। चित्र में दादाजी कुर्सी पर घर की बालकनी में बैठे है उनके पास ही उनका एक पोता जमीन पर बैठा हुआ है और दूसरा सामने खड़ा है। बच्चों ने अपने हाथों में तिरंगा पकड़ा हुआ है। दादाजी उन्हें शायद तिरंगे की कहानी बता रहे हैं। बच्चे भी बड़ी तन्यमयता से अपने दादाजी की बात सुन रहे हैं।

भारत का राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' है। इसमें सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफ़ेद व सबसे नीचे हरा रंग है। सभी रंग बराबर अनुपात में हैं। सफ़ेद रंग

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

की पट्टी पर झंडे के मध्य में नीले रंग का चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ हैं। भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में सफ़ेद रंग की पट्टी शांति एवं सत्यता को दर्शाती है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है चक्र इस बात को दर्शित करता है कि जीवन गतिमान है जबकि मृत्यु निश्चलता का नाम है। झंडे की लंबाई व चौड़ाई का अनुपात 3:2 है। ध्वज की चौड़ाई का अनुपात इसकी लंबाई के साथ 2 और 3 का है। चक्र का व्यास सफ़ेद पट्टी की चौड़ाई के लगभग बराबर होता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के वर्तमान रूप को भारत की संविधानकारी सभा द्वारा 22 जुलाई 1947 को अंगीकृत किया गया था।

अथवा

उपर्युक्त चित्र गणपति विसर्जन से संबंधित चित्र है। इस चित्र में हमें चारों ओर लोग ही लोग नजर आ रहे हैं। एक विशाल गणपति को कई लोग अपने कंधों पर उठाए विसर्जन के लिए लेकर जा रहे हैं। लोगों के हाथों में छतरियों को देखकर ऐसा लग रहा मानो बरसात हो रही है। भारत एक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रंग-बिरंगा देश है। यहाँ त्योहारों में भी विविधता पाई जाती है। हमारे भारतवर्ष में पूरे वर्ष त्योहारों का आयोजन होता ही रहता है। इन्हीं त्योहारों में मुख्य रूप से महाराष्ट्र में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव है। लोकमान्य तिलक द्वारा आज़ादी के दौर में लोगों को संघटित करने के लिए सार्वजानिक गणेशोत्सव आयोजन किया गया था। कालांतर में इस त्योहार ने अपना धीरे-धीरे बड़ा रूप ले लिया है। यह उत्सव हिन्दू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास की चतुर्थी से चतुर्दशी अर्थात् दस दिनों तक चलता है।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।

निखिल : नमस्ते!

राहुल : नमस्ते!

निखिल : आप भी साक्षात्कार हेतु आए हैं।

राहुल : जी हाँ।

निखिल : बहुत ज्यादा उम्मीदवार आए है ना?

राहुल : जी, यह हाल तो हर जगह है।

निखिल : हाँ, मैं अब तक चार साक्षात्कार के लिए जा चूका हूँ। एक पद के लिए बीस-तीस उम्मीदवार तो रहते ही है।

राहुल : इसीलिए बेरोजगारी बढ़ रही है।

निखिल : सरकार को और अधिक रोजगार योजना बनानी होगी।

राहुल : सरकार भी क्या करें! उनकी योजनाएँ बढ़ती आबादी के सामने दम तोड़ देती है।

निखिल : सही कह रहे है।

राहुल : चलो मैं चलता हूँ। मेरा नंबर आ गया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. दो मित्रों के बीच विज्ञान प्रदर्शनी पर संवाद लिखें।

वेदांत : हृदय! हृदय! आज तुम विद्यालय क्यों नहीं जा रहे हो? समय तो हो गया है।

हृदय : ओह वेदांत तुम! आज दोपहर के बाद हमारे विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी है इसलिए मैं देर से जाऊँगा।

वेदांत : आज तुम्हारे विद्यालय में प्रदर्शनी हैं तब तो वहाँ बड़ी रौनक होगी। प्रदर्शनी का प्रबंध कौन कर रहा है?

हृदय : प्रदर्शनी के प्रबंध के लिए कुछ विद्यार्थी तथा शिक्षकगण वहाँ उपस्थित हैं।

वेदांत : हृदय! क्या तुम प्रबंध (कार्य) में नहीं शामिल हो?

हृदय : हूँ ना। हमारी कक्षा की तरफ से प्रदर्शनी में शामिल परियोजना का मैं कप्तान हूँ।

वेदांत: वाह! मित्र ये तो बहुत अच्छी बात है। चलो मित्र! हम दोनों चलते हैं। मुझे भी प्रदर्शनी देखनी है।

प्र. 14. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।[5]

1. मोबाइल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

**टी 20 मोबाइल**

आज की तकनीक की ,

आज की युवा पीढ़ी की माँग ,

है टी 20 मोबाइल

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. चटक मसाला के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

**चटक गरम मसाला**

हर खाने का बढ़ाने स्वाद

चटक गरम मसाले ले आइए आज

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in